पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने 'ग्राम युवा चेतना कुम्भ' का उद्घाटन किया
स्वामी विवेकानन्द के विचारों को आत्मसात कर युवा देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें - श्री नाईक

लखनऊ: 12 जनवरी, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज सुल्तानपुर के विभारपुर में रामबरन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम 'ग्राम युवा चेतना कुम्भ' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती इंदु सुभाष, महाविद्यालय के प्रबंधक श्री अजय कुमार सिंह सहित 18 महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्यगण, अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवा के लिये स्वामी विवेकानन्द पुरस्कार से सुश्री शिवांगी सिंह, श्री वागीश मिश्रा एवं श्री अशोक कुमार (जिला संगठन आयुक्त स्काउट), सेवारत्न सम्मान से श्री अजय कुमार तिवारी, ग्राम प्रधान श्रीमती सुधा सिंह, ज्ञानदा गौरव पुरस्कार से पत्रकार श्री वीरेन्द्र वत्स एवं डॉ0 सुशील कुमार पाण्डेय 'साहित्येंदु', शिक्षारत्न सम्मान से डॉ0 राम कृष्ण सिंह तथा डॉ0 आदित्य प्रकाश नारायण सिंह एवं सेवा शिरोमणि सम्मान से डॉ0 आर0के0 सिंह (सर्जन) को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने स्वामी विवेकानन्द को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि स्वामी विवेकानन्द बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। वे महान संत होने के साथ-साथ देशभक्त, प्रखर ओजस्वी वक्ता, विचारक, लेखक तथा मानवता प्रेमी थे। मात्र 39 वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानन्द ने भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलायी। 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानन्द के 'भाईयों-बहनों' कहकर सम्बोधित करने से सम्मेलन का माहौल बदल गया। स्वामी जी ने भारत का मान 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का दर्शन देकर बढ़ाया। वह समय ऐसा था जब अंग्रेजों द्वारा भारतीयों को हीनता की भावना से देखा जाता था तथा उन्हें अशिक्षित एवं संस्कारहीन समझा जाता था। स्वामी विवेकानन्द ने पूरा विश्व एक परिवार है कहकर यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों को समाहित करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि यह श्लोक आज भी संसद के प्रवेश द्वार पर लिखा है।

श्री नाईक ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द की जयंती को 'युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। हमारा देश युवाओं का देश है। वर्ष 2025 तक दुनिया के सभी देशों की तुलना में सबसे ज्यादा युवा भारत में होंगे। युवा हमारे देश की पूंजी हैं जिन्हें उचित मार्गदर्शन मिलेगा तो भारत विश्व गुरू हो सकता है। उन्होंने प्रदेश के बदलते हुये चित्र की चर्चा करते हुये कहा कि बेटियाँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। शैक्षणिक सत्र 2017-2018 में सम्पन्न हुये दीक्षान्त समारोह में कुल 12,78,985 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठयक्रमों की उपाधियाँ वितरित की

गई जिनमें से 7,14,764 अर्थात 56 प्रतिशत उपाधियाँ प्राप्त करने वालों में छात्राएं थी वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रदान किये जाने वाले कुल 1,741 पदकों से 1,143 अर्थात 66 प्रतिशत पदक छात्राओं के हक में गये हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के विचारों को आत्मसात कर युवा देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

राज्यपाल ने मकर संक्रांति के अग्रिम बधाई देते हुये कुम्भ समिति के अध्यक्ष के रूप में सभी को कुम्भ के अवसर पर आमंत्रित किया। राज्यपाल ने अपने संस्मरणों पर आधारित पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' पर प्रकाश डालते हुये जीवन में निरन्तर चलते रहने को सफलता का मूल मंत्र बताया। श्री नाईक ने अपने राजनैतिक जीवन में सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री रहते हुये स्वयं द्वारा किये गये कार्यों के बारे में भी बताया। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक राज्य का अपना स्थापना दिवस होता है। राज्यपाल पद की शपथ लेने के बाद उन्हें ज्ञात हुआ कि उत्तर प्रदेश की स्थापना से संबंधित कोई कार्यक्रम प्रदेश में आयोजित नहीं होता तो उन्होंने इस दिशा में प्रयास किये। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में उन्हें 'उत्तर प्रदेश दिवस' के आयोजन से बहुत समाधान मिला।

कार्यक्रम में संयोजिका श्रीमती इंदु सुभाष ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि युवाओं के विकास से ही देश का विकास होगा। राज्यपाल की पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' वास्तव में मानवीय मूल्यों का संकलन है जिसको आत्मसात करके युवा अपना जीवन सफल कर सकते हैं। संयोजिका की ओर से महाविद्यालय एवं विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' की हिन्दी प्रति उनके पुस्तकालयों के लिये भेंट की गयी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर रामबरन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्व0 श्याम कुमारी पुस्तकालय एवं सभागार का लोकार्पण भी किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (14/14)

राम बरन स्नातकोत्तर महाविद्यालय
व
गाइड समाज कल्याण संस्थान
के सह-तत्वाधान में
स्वामी विवेकानंद
युवा सम्मान
2019
"सुलगा के खुद को मिटा दो अँधेरा"
गोल्डन ऐज वरिष्ठजन निःशुल्क हेल्पलाइन
1800-180-0060
"बुजुर्गों का अनुभव, युवाओं की ताकत,
आओ बनायें मिलकर नया भारत"

राम बरन स्नातकोत्तर महाविद्यालय
विभारपुर(जयसिंहपुर) सुलतानपुर में
स्थापित
स्व.श्यामकुमारी पुस्तकालय एवं सभागार
का लोकार्पण
श्री राम नाईक जी
माननीय राज्यपाल उ.प्र
के कर कमलों द्वारा
आज दिनांक 12 जनवरी 2019, दिन शनिवार को सम्पन्न हुआ
अजय कुमार सिंह
प्रबन्धक